शुद्ध कल्याण

(२) राग शुद्धकल्याण के अवरोह मे निषाद और तीव्र मध्यम स्वर का प्रयोग होता है

(३) शुद्धकल्याण ~~कल्याण~~ के अवरोह में सातो स्वर का प्रयोग होता है जिसके कारण इसकी जाति को लेकर संगीत विद्वानो के बीच मत भेद पाया जाता है चूंकि अवरोह मे सातो स्वर का प्रयोग होता है इसलिए इसकी जाति औड़व-सम्पूर्ण माना जाता है।

जबकी राग शुद्धकल्याण भूपाली और ~~कल्याण~~ दोनो को मिला हुआ है, या मिश्रित रूप है।

भूपाली

जबकी राग भूपाली मे निषाद और मध्यम स्वर वर्जित है,

भूपाली की जाति औड़व-औड़व है।

४- भूपाली स्वतन्त्र राग है।